गद्य खंड

1 बड़े भाई साहब

-प्रेमचंद

गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प छाँटिए—

1. मेरे भाई साहब मुझसे पाँच साल बड़े, लेकिन केवल तीन दरजे आगे। उन्होंने भी उसी उम्र में पढ़ना शुरू किया था, जब मैंने शुरू किया लेकिन तालीम जैसे महत्त्व के मामले में वह जल्दबाज़ी से काम लेना पसंद न करते थे। इस भवन की बुनियाद खूब मज़बूत डालना चाहते थे, जिस पर आलीशान महल बन सके। एक साल का काम दो साल में करते थे। कभी-कभी तीन साल भी लग जाते थे। बुनियाद ही पुख्ता न हो, तो मकान कैसे पायेदार बने।

प्रश्न

(i) **बड़े भाई साहब छोटे भाई से उम्र में कितने बड़े थे?**

(क) दो वर्ष (ख) तीन वर्ष (ग) चार वर्ष (घ) पाँच वर्ष

(ii) **बड़े भाई साहब छोटे भाई से कितने दरजे आगे थे?**

(क) दो (ख) तीन (ग) चार (घ) पाँच

(iii) **बड़े भाई साहब जल्दबाज़ी नहीं करते थे—**

(क) खेल में (ख) खाने में (ग) तालीम में (घ) सोने में

(iv) **'आलीशान महल' किसका प्रतीक है?**

(क) ऊँची इमारत का (ख) खज़ाने का

(ग) राजा के महल का (घ) सुनहरे भविष्य का

(v) **सुनहरे भविष्य के लिए आवश्यक है—**

(क) धीरे-धीरे काम करना (ख) बचपन से ही मेहनत करना

(ग) जल्दबाज़ी करना (घ) भविष्य की प्रतीक्षा करना

2. हरदम किताब खोले बैठे रहते और शायद दिमाग को आराम देने के लिए कभी कॉपी पर, किताब के हाशियों पर चिड़ियों, कुत्तों, बिल्लियों की तसवीरें बनाया करते थे। कभी-कभी एक ही नाम या शब्द या वाक्य दस-बीस बार लिख डालते। कभी एक शेर को बार-बार सुंदर अक्षरों में नकल करते। कभी ऐसी शब्द-रचना करते, जिसमें न कोई अर्थ होता,

न कोई सामंजस्य। मसलन एक बार उनकी कॉपी पर मैंने यह इबारत देखी — स्पेशल, अमीना, भाइयों-भाइयों, दरअसल, भाई-भाई, राधेश्याम, श्रीयुत राधेश्याम, एक घंटे तक — इसके बाद एक आदमी का चेहरा बना हुआ था। मैंने बहुत चेष्टा की कि इस पहेली का कोई अर्थ निकालूँ, लेकिन असफल रहा और उनसे पूछने का साहस न हुआ। वह नौवीं जमात में थे, मैं पाँचवीं में। उनकी रचनाओं को समझना मेरे लिए छोटा मुँह बड़ी बात थी।

प्रश्न

(i) **बड़े भाई साहब दिमाग को आराम देने के लिए क्या करते थे?**

(क) कविता लिखते (ख) शतरंज खेलते

(ग) पशु-पक्षियों के चित्र बनाते (घ) प्राणायाम करते

(ii) **बड़े भाई साहब एक ही नाम कितनी बार लिख डालते?**

(क) चार-पाँच बार (ख) सात-आठ बार

(ग) दस-पंद्रह बार (घ) दस-बीस बार

(iii) **बड़े भाई साहब कैसी शब्द-रचना करते थे?**

(क) सार्थक (ख) निरर्थक (ग) व्यंग्यात्मक (घ) शिक्षाप्रद

(iv) **अर्थहीन इबारत के बाद किसका चेहरा बना हुआ था?**

(क) शेर का (ख) पक्षी का (ग) बिल्ली का (घ) आदमी का

(v) **बड़ा भाई और छोटा भाई किस कक्षा में पढ़ते थे?**

(क) छठी, पाँचवी (ख) आठवीं, छठी (ग) नौवीं, पाँचवीं (घ) सातवीं, पाँचवीं

3. मेरा जी पढ़ने में बिलकुल न लगता था। एक घंटा भी किताब लेकर बैठना पहाड़ था। मौका पाते ही होस्टल से निकलकर मैदान में आ जाता और कभी कंकरियाँ उछालता, कभी कागज़ की तितलियाँ उड़ाता और कहीं कोई साथी मिल गया, तो पूछना ही क्या। कभी चारदीवारी पर चढ़कर नीचे कूद रहे हैं। कभी फाटक पर सवार, उसे आगे-पीछे चलाते हुए मोटरकार का आनंद उठा रहे हैं, लेकिन कमरे में आते ही बड़े भाई साहब का वह रुद्र-रूप देखकर प्राण सूख जाते। उनका पहला सवाल यह होता— 'कहाँ थे'?

प्रश्न

(i) **किसका मन पढ़ने में नहीं लगता था?**

(क) छोटे भाई का (ख) बड़े भाई का

(ग) छोटे भाई के मित्र का (घ) सभी छात्रों का

(ii) **छोटा भाई अवसर मिलते ही कहाँ चला जाता था?**

(क) अपने घर (ख) पुस्तकालय में (ग) मैदान में (घ) बगीचे में

(iii) **छोटा भाई कैसी तितलियाँ उड़ाता था?**

(क) पत्तों की (ख) कागज़ की

(ग) कपड़े की (घ) फूलों की

(iv) **फाटक पर सवार होकर किसका आनंद लिया जाता?**

(क) बैलगाड़ी का (ख) रेलगाड़ी का

(ग) हवाई जहाज़ का (घ) मोटरकार का

(v) **छोटे भाई के प्राण सूख जाते थे—**

(क) बिल्ली को देखकर (ख) कुत्ते को देखकर

(ग) बड़े भाई का रुद्र-रूप देखकर (घ) अध्यापक को देखकर

4. भाई साहब उपदेश की कला में निपुण थे। ऐसी-ऐसी लगती बातें कहते, ऐसे-ऐसे सूक्ति-बाण चलाते कि मेरे जिगर के टुकड़े-टुकड़े हो जाते और हिम्मत टूट जाती। इस तरह जान तोड़कर मेहनत करने की शक्ति मैं अपने में न पाता था और उस निराशा में ज़रा देर के लिए मैं सोचने लगता— 'क्यों न घर चला जाऊँ। जो काम मेरे बूते के बाहर है, उसमें हाथ डालकर क्यों अपनी ज़िंदगी खराब करूँ।' मुझे अपना मूर्ख रहना मंज़ूर था, लेकिन उतनी मेहनत से मुझे तो चक्कर आ जाता था, लेकिन घंटे-दो घंटे के बाद निराशा के बादल फट जाते और मैं इरादा करता कि आगे से खूब जी लगाकर पढ़ूँगा। चटपट एक टाइम-टेबिल बना डालता।

प्रश्न

(i) **भाई साहब किस कला में निपुण थे?**

(क) चित्र-कला (ख) गायन-कला (ग) नृत्य-कला (घ) उपदेश-कला

(ii) **भाई साहब कैसे बाण चलाते थे?**

(क) सूक्ति-बाण (ख) मुक्ति-बाण (ग) भक्ति-बाण (घ) शक्ति-बाण

(iii) **छोटा भाई निराश होकर कहाँ जाने के लिए सोचता?**

(क) जंगल में (ख) बगीचे में (ग) अपने घर (घ) बाज़ार

(iv) **छोटे भाई को चक्कर आ जाता था—**

(क) अधिक दौड़ने से (ख) पढ़ाई में अधिक मेहनत से

(ग) अधिक खाने से (घ) अधिक खेलने से

(v) **निराशा से बाहर निकलने पर छोटा भाई क्या इरादा करता?**

(क) घर वापस जाने का (ख) खूब खेलने का

(ग) बड़े भाई को उत्तर देने का (घ) जी लगाकर पढ़ने का

5. जी में आया, भाई साहब को आड़े हाथों लूँ— 'आपकी वह घोर तपस्या कहाँ गई? मुझे देखिए, मज़े से खेलता भी रहा और दरजे में अव्वल भी हूँ।' लेकिन वह इतने दुखी और उदास थे कि मुझे उनसे दिली हमदर्दी हुई और उनके घाव पर नमक छिड़कने का विचार ही लज्जास्पद जान पड़ा। हाँ, अब मुझे अपने ऊपर कुछ अभिमान हुआ और आत्मसम्मान भी बढ़ा। बड़े भाई साहब का वह रौब मुझपर न रहा। आज़ादी से खेलकूद में शरीक होने लगा। दिल मज़बूत था। अगर उन्होंने फिर मेरी फ़जीहत की, तो साफ़ कह दूँगा— 'आपने अपना खून जलाकर कौन-सा तीर मार लिया। मैं तो खेलते-कूदते दरजे में अव्वल आ गया।' ज़बान से यह हेकड़ी जताने का साहस न होने पर भी मेरे रंग-ढंग से साफ़ ज़ाहिर होता था कि भाई साहब का वह आतंक मुझपर नहीं था। बड़े भाई साहब ने इसे भाँप लिया— उनकी सहज बुद्धि बड़ी तीव्र थी और एक दिन जब मैं भोर का सारा समय गुल्ली-डंडे की भेंट करके ठीक भोजन के समय लौटा, तो बड़े भाई साहब ने मानो तलवार खींच ली और मुझपर टूट पड़े— देखता हूँ, इस साल पास हो गए और दरजे में अव्वल आ गए, तो तुम्हें दिमाग हो गया है, मगर भाईजान, घमंड तो बड़े-बड़े का नहीं रहा, तुम्हारी क्या हस्ती है? इतिहास में रावण का हाल तो पढ़ा ही होगा।

प्रश्न

(i) **किसे किससे दिली हमदर्दी हुई?**

(क) छोटे भाई को बड़े भाई से (ख) बड़े भाई को छोटे भाई से
(ग) अध्यापक को छोटे भाई से (घ) अध्यापक को बड़े भाई से

(ii) **छोटे भाई को स्वयं पर अभिमान हुआ—**

(क) बड़े भाई के फ़ेल होने पर (ख) अपने अव्वल आने पर
(ग) खेलकूद में शरीक होने पर (घ) बड़े भाई के दुखी होने पर

(iii) **बड़े भाई ने क्या भाँप लिया था?**

(क) छोटा भाई सुधर रहा है (ख) छोटा भाई भयभीत है
(ग) छोटा भाई निराश है (घ) छोटे भाई पर बड़े भाई का डर नहीं रहा

(iv) **कौन-सा समय गुल्ली-डंडे की भेंट चढ़ गया?**

(क) सुबह का (ख) दोपहर का (ग) शाम का (घ) रात का

(v) **पाठ के संदर्भ में 'आड़े हाथों लेना' का अर्थ है—**

(क) छिपाकर लेना (ख) खरी-खोटी सुनाना
(ग) हाथ बाँधकर लेना (घ) प्रशंसा करना

6. कह दिया— 'समय की पाबंदी' पर एक निबंध लिखो, जो चार पन्नों से कम अब आप कॉपी सामने खोले, कलम हाथ में लिए उसके नाम को रोइए। कं जानता कि समय की पाबंदी बहुत अच्छी बात है। इससे आदमी के जीवन में आ जाता है, दूसरों का उस पर स्नेह होने लगता है और उसके कारोबार में उन्नति है, लेकिन इस ज़रा-सी बात पर चार पन्ने कैसे लिखें? जो बात एक वाक्य जा सके, उसे चार पन्नों में लिखने की ज़रूरत? मैं तो इसे हिमाकत कहता तो समय की किफ़ायत नहीं, बल्कि उसका दुरुपयोग है कि व्यर्थ में किसी बात दिया जाए। हम चाहते हैं, आदमी को जो कुछ कहना हो, चटपट कह दे और अ ले। मगर नहीं, आपको चार पन्ने रँगने पड़ेंगे, चाहे जैसे लिखिए और पन्ने भी पूरे फु आकार के। यह छात्रों पर अत्याचार नहीं, तो और क्या है?

प्रश्न

(i) **किस विषय पर निबंध लिखने के लिए कहा गया?**

(क) देश के लिए भक्ति (ख) धार्मिक आस्था

(ग) समय की पुकार (घ) समय की पाबंदी

(ii) **समय की पाबंदी से जीवन में आता है—**

(क) संयम (ख) अहंकार (ग) क्रोध (घ) आलस

(iii) **भाई साहब के अनुसार समय का दुरुपयोग है—**

(क) निबंध लिखना (ख) कलम हाथ में लेना

(ग) चार पन्नों में लिखना (घ) एक वाक्य की बात चार पन्नों में

(iv) **ज़रा-सी बात बढ़ा-चढ़ाकर लिखवाने को भाई साहब ने कहा है—**

(क) छात्रों पर उपकार (ख) छात्रों पर अत्याचार

(ग) समाज का उद्धार (घ) अच्छा व्यवहार

(v) **भाई साहब के अनुसार आदमी को अपनी बात किस प्रकार कहनी चाहिए?**

(क) खटपट (ख) सरपट (ग) चटपट (घ) अटपट

7. फिर सालाना इम्तिहान हुआ और कुछ ऐसा संयोग हुआ कि मैं फिर पास हुआ और भा
साहब फिर फ़ेल हो गए। मैंने बहुत मेहनत नहीं की, पर न जाने कैसे दरजे में अव्वल अ

गया। मुझे खुद अचरज हुआ। भाई साहब ने प्राणांतक परिश्रम किया। कोर्स का एक-एव
शब्द चाट गए थे, दस बजे रात तक इधर, चार बजे भोर से उधर, छह से साढ़े नौ तव
स्कूल जाने के पहले। मुद्रा कांतिहीन हो गई थी, मगर बेचारे फ़ेल हो गए। मुझे उनपर दय
आती थी। नतीजा सुनाया गया, तो वह रो पड़े और मैं भी रोने लगा।

प्रश्न

(i) **सालाना इम्तिहान में कौन फ़ेल हो गया?**

(क) छोटा भाई (ख) भाई साहब

(ग) छोटे भाई का मित्र (घ) भाई साहब का मित्र

(ii) **छोटे भाई के अचरज का क्या कारण था?**

(क) कक्षा में अव्वल आना (ख) भाई साहब का फ़ेल होना

(ग) भाई साहब का परिश्रम करना (घ) मुद्रा कांतिहीन होना

(iii) **भाई साहब रात में कितने बजे तक पढ़ते थे?**

(क) आठ बजे तक (ख) नौ बजे तक

(ग) दस बजे तक (घ) ग्यारह बजे तक

(iv) **छोटे भाई को भाई साहब पर दया क्यों आती थी?**

(क) उन्हें अत्यधिक परिश्रम करने का फल नहीं मिला

(ख) उन्हें विश्राम नहीं मिला

(ग) उन्हें पुरस्कार नहीं मिला

(घ) उन्हें भोजन नहीं मिला

(v) **भाई साहब क्या चाट गए थे?**

(क) कविता का एक-एक शब्द (ख) कहानी का एक-एक शब्द

(ग) निबंध का एक-एक शब्द (घ) कोर्स का एक-एक शब्द

8. एक दिन संध्या समय, होस्टल से दूर मैं एक कनकौआ लूटने बेतहाशा दौड़ा जा रहा था। आँखें आसमान की ओर थीं और मन उस आकाशगामी पथिक की ओर, जो मंद गति से झूमता पतन की ओर चला आ रहा था, मानो कोई आत्मा स्वर्ग से निकलकर विरक्त मन से नये संस्कार ग्रहण करने जा रही हो। बालकों की पूरी सेना लग्गे और झाड़दार बाँस लिए इनका स्वागत करने को दौड़ी आ रही थी। किसी को अपने आगे-पीछे की खबर न थी। सभी मानो उस पतंग के साथ ही आकाश में उड़ रहे थे।

प्रश्न

(i) **कनकौआ लूटने के लिए छोटे भाई ने क्या किया?**

(क) बाँस उठाया (ख) हाथ जोड़े (ग) दौड़ लगाई (घ) छलाँग लगाई

(ii) **'आकाशगामी पथिक' किसे कहा गया है?**

(क) चिड़िया को (ख) पतंग को (ग) बालकों को (घ) कौए को

(iii) **पतंग किस ओर बढ़ रही थी?**

(क) आकाश की ओर (ख) उन्नति की ओर

(ग) पतन की ओर (घ) स्वर्ग की ओर

(iv) **कटी पतंग की तुलना की गई है—**

(क) स्वर्ग से निकली आत्मा से (ख) घायल पक्षी से

(ग) विरक्त मन से (घ) नए संस्कारों से

(v) **किसकी सेना पतंग का स्वागत करना चाहती थी?**

(क) वृक्षों की (ख) जानवरों की (ग) झाड़ियों की (घ) बालकों की

9. समझ किताबें पढ़ने से नहीं आती, दुनिया देखने से आती है। हमारी अम्माँ ने कोई द नहीं पास किया और दादा भी शायद पाँचवीं-छठी जमात के आगे नहीं गए, लेकिन दोनों चाहे सारी दुनिया की विद्या पढ़ लें, अम्माँ और दादा को हमें समझाने और सुध का अधिकार हमेशा रहेगा। केवल इसलिए नहीं कि वे हमारे जन्मदाता हैं, बल्कि इस कि उन्हें दुनिया का हमसे ज़्यादा तजुरबा है और रहेगा। अमेरिका में किस तरह की र व्यवस्था है, और आठवें हेनरी ने कितने ब्याह किए और आकाश में कितने नक्षत्र हैं, बातें चाहे उन्हें न मालूम हों, लेकिन हज़ारों ऐसी बातें हैं, जिनका ज्ञान उन्हें हमसे और त ज़्यादा है।

प्रश्न

(i) **भाई साहब के अनुसार मनुष्य को समझ किस प्रकार आती है?**

(क) खेलने से (ख) किताबें पढ़ने से

(ग) दुनिया देखने से (घ) अमेरिका जाने से

(ii) **दादा जी कौन-सी कक्षा तक पढ़े थे?**

(क) तीसरी-चौथी (ख) पाँचवीं-छठी

(ग) छठी-सातवीं (घ) सातवीं-आठवीं

(iii) **दोनों भाइयों को समझाने का अधिकार किसे प्राप्त है?**

(क) अम्माँ-पिता को (ख) दादा-दादी को

(ग) अम्माँ-दादी को (घ) अम्माँ-दादा को

(iv) **ब्याह के संदर्भ में कौन-से हेनरी की चर्चा की गई है?**

(क) पाँचवें हेनरी (ख) छठे हेनरी

(ग) सातवें हेनरी (घ) आठवें हेनरी

(v) **भाई साहब के अनुसार किसे दुनिया का ज़्यादा तजुरबा प्राप्त है?**

(क) बड़े भाई को (ख) छोटे भाई को

(ग) अम्माँ और दादा को (घ) अम्माँ और पिता को